प्रश्न पुस्तिका क्रमांक / Question Booklet Serial No. : 101-

SECONDARY SENT-UP EXAMINATION– 2024
माध्यमिक उत्प्रेषण परीक्षा– 2024

विषय कोड :
Subject Code : **101**

प्रश्न पुस्तिका सेट कोड
Question Booklet Set Code
A

HINDI (MT)
मातृभाषा हिन्दी

कुल प्रश्न : 100 + 6 = 106
Total Questions : 100 + 6 = 106

कुल मुद्रित पृष्ठ : 32
Total Printed Pages : 32

(समय : 3 घंटे 15 मिनट)
[Time : 3 Hours 15 Minutes]

(पूर्णांक : 100)
[Full Marks : 100]

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश :

1. *परीक्षार्थी **OMR** उत्तर-पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का) अवश्य लिखें।*
2. *परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।*
3. *दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।*
4. *प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।*
5. *यह प्रश्न पुस्तिका दो खण्डों में है — **खण्ड-अ** एवं **खण्ड-ब**।*
6. ***खण्ड-अ** में **100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न** हैं, जिनमें से **किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।** पचास से अधिक प्रश्नों के उत्तर देनेपर प्रथम 50 उत्तरों का ही मूल्यांकन किया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **1 अंक** निर्धारित है। सही उत्तर को उपलब्ध कराये गये **OMR** उत्तर पत्रक में दिये गये सही विकल्प को **नीले / काले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के ह्वाइटनर/ तरल पदार्थ/ ब्लेड / नाखून आदि का OMR उत्तर-पुस्तिका में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।***
7. ***खण्ड - ब में 6 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं ।***
8. *किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है ।*

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** की व्याख्या करें (शब्द सीमा लगभग **100**) : $1 \times 5 = 5$

(क) "गमले सा टूटता हुआ उसका 'ग'

घड़े सा लुढ़कता हुआ उसका 'घ' "

(ख) "नहानघर की नाली क्षणभर के लिए पूरी भर गई, फिर बिलकुल खाली हो गयी ।"

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग **20-30** शब्दों में दें :

$5 \times 2 = 10$

(क) देवनागरी लिपि में कौन-कौन सी भाषाएँ लिखी जाती हैं ?

(ख) बहादुर के चले जाने पर सबको पछतावा क्यों होता है ?

(ग) राजनीतिक मूल्यों से साहित्य के मूल्य अधिक स्थायी कैसे होते हैं ? 'परंपरा का मूल्यांकन' शीर्षक पाठ के अनुसार उत्तर लिखें ।

(घ) अपने विवाह के बारे में बिरजू महाराज क्या बताते हैं ?

(ङ) कवि गुरु नानक किसके बिना जगत् में यह जन्म व्यर्थ मानते हैं ?

(च) कवि रसखान कृष्ण को चोर क्यों कहे हैं ?

(छ) प्रज्वलित क्षण की दोपहरी से कवि का आशय क्या है ?

(ज) कवि रेनर मारिया रिल्के किसको कैसा सुख देते थे ?

(झ) सीता को किस दिन लगा कि 'लापसी' बिलकुल फीकी है ? 'लापसी' खाते समय उसे कैसा महसूस हो रहा था ?

(ञ) वल्लि अम्माल ने पाप्पाति के लिए क्या मन्नत मानी ?

(घ) कोरोना : एक महामारी

(i) भूमिका

(ii) कोरोना वायरस क्या है ?

(iii) लक्षण

(iv) बचाव

(v) निष्कर्ष

(ङ) होली

(i) भूमिका

(ii) इतिहास (पौराणिक कथा)

(iii) महत्व

(iv) निष्कर्ष

4. जन्म दिन के उपलक्ष्य में अपनी छोटी बहन को एक बधाई पत्र लिखें ।

अथवा

इन्टरनेट की उपयोगिता के बारे में दो छात्रों के बीच संवाद को लिखिए ।

(ख) मेरा परिवार

(i) परिचय

(ii) परिवार के स्नेह का महत्त्व

(iii) संयुक्त परिवार के लाभ-हानि

(iv) छोटा परिवार के लाभ-हानि

(v) निष्कर्ष

(ग) महँगाई

(i) भूमिका

(ii) कारण

(iii) रोकने के उपाय

(iv) निष्कर्ष

(ii) पूरी दुनिया किससे त्रस्त है ?

(iii) तीन आतंकवाद कौन-कौन हैं ?

(iv) श्रीलंका में लिट्टे समर्थक किस आतंकवाद का उदाहरण हैं ?

(v) अफगानिस्तान का आतंकवादी संगठन का क्या नाम है ?

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग **250 - 300** शब्दों में निबंध लिखें : $1 \times 10 = 10$

(क) राष्ट्रीय खेल हॉकी

(i) भूमिका

(ii) खिलाड़ी और हॉकी खेलने का समय

(iii) महत्व

(iv) निष्कर्ष

(iii) कौन-से अवगुण मनुष्य के साम़ाजिक जीवन में अशान्ति उत्पन्न करते हैं ?

(iv) मनुष्य का जीवन यापन कैसे सम्भव है ?

(v) सच्चरित्रता का क्या तात्पर्य है ?

(ख) हिंसा के द्वारा जनमानस में भय या आतंक पैदा करना तथा आतंक के द्वारा अपने उद्देश्यों को पूरा करना आतंकवाद है । यह उद्देश्य राजनीतिक, धार्मिक या आर्थिक ही नहीं सामाजिक या अन्य किसी भी प्रकार का हो सकता है । वैसे तो आतंकवाद के कई प्रकार हैं, किन्तु इनमें से तीन ऐसे हैं जिनसे पूरी दुनिया अत्यधिक त्रस्त है । ये तीन आतंकवाद हैं – राजनीतिक आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता एवं गैर-राजनीतिक या सामाजिक आतंकवाद । श्रीलंका में लिट्टे समर्थकों एवं अफगानिस्तान में तालिबानी संगठनों की गतिविधियाँ राजनीतिक आतंकवाद के उदाहरण हैं ।

(i) आतंकवाद क्या है ?

2. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें । प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा : $5 \times 2 = 10$

(क) सत् और चरित्र इन दो शब्दों के मेल से 'सच्चरित्र' शब्द बना है । सत् का अर्थ होता है अच्छा एवं चरित्र का तात्पर्य है आचरण, चाल-चलन, स्वभाव, गुण-धर्म इत्यादि । इस तरह सच्चरित्रता का तात्पर्य है अच्छा चाल-चलन, अच्छा स्वभाव, सदाचार इत्यादि । मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है अतः परस्पर सहयोग द्वारा ही उसका जीवन यापन सम्भव है । इसके लिए व्यक्ति में ऐसे गुणों का होना आवश्यक है जिनके द्वारा वह समाज में शान्तिपूर्वक रहते हुए देश की प्रगति में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दे सके । काम, क्रोध, लोभ, सन्ताप, निर्दयता एवं ईर्ष्या जैसे अवगुण मनुष्य के सामाजिक जीवन में अशान्ति उत्पन्न करते हैं ।

(i) 'सच्चरित्र' शब्द किन शब्दों के मेल से बना है ?

(ii) मनुष्य कैसा प्राणी है ?

महेन्द्र कपूर ने गाए हैं उतनी संख्या में उतने श्रेष्ठ गाने दूसरे गायकों ने नहीं गाए होंगे । महेन्द्र कपूर के नाम का स्मरण करते ही हमारे जेहन में एक ऐसे गायक की छवि कौंध जाती है जो मद्धिम स्वरों में भी उतनी ही खूबसूरती से गाता है जितना ऊँचे सुरों में । एक ऐसा गायक जिनकी छवि बेहद सहज और शालीन इंसान की है । वे बेहद अनुशासन के साथ अपने सुरों को साधते हैं ।

(i) देशभक्ति गीतों के लिए किनका नाम महत्त्वपूर्ण है ?

(ii) महेन्द्र कपूर ने कैसे गीत गाए हैं ?

(iii) महेन्द्र कपूर कैसे इंसान थे ?

(iv) मद्धिम और ऊँचे सुरों में खूबसूरती से कौन गाता था ?

(v) महेन्द्र कपूर अपने सुरों को कैसे साधते थे ?

उपयोग है । प्रौढ़ शिक्षा का नवीनीकरण तथा उसकी उपयोगिता को सामाजिक बनाना आवश्यक है ।

(i) हमारे देश का प्रौढ़ समुदाय कैसा है ?

(ii) कैसी शिक्षा के लिए शिक्षकों का अभाव है ?

(iii) किन्हें कक्षा में बैठकर पढ़ने में संकोच होता है ?

(iv) हमारे देश के किसानों का जीवन कैसा है ?

(v) किस शिक्षा का नवीनीकरण आवश्यक है ?

(ख) देशभक्ति के गीतों की परम्परा में महेन्द्र कपूर का नाम महत्त्वपूर्ण है । जब भी हम महेन्द्र कपूर का जिक्र करते हैं, तो हमारे मन में उनकी छवि देशराग के एक अहम् गायक के रूप में उभरती है । यह सच है कि देशभक्ति और परम्परागत मूल्यों के जितने लोकप्रिय अनूठे गाने

खण्ड - ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें । प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा । $5 \times 2 = 10$

(क) हमारे देश में प्रौढ़ समुदाय का एक बहुत बड़ा भाग निरक्षर एवं अशिक्षित है । उनकी यह अवस्था एक बहुत बड़ी समस्या प्रस्तुत करती है । प्रौढ़ शिक्षा के लिए हमारे यहाँ शिक्षकों का अभाव है । उम्र बढ़ जाने पर प्रौढ़ों में सीखने की इच्छा में कमी आ जाती है । कक्षा में बैठकर पढ़ने में संकोच होता है । समय के अभाव के कारण भी प्रौढ़ शिक्षा लेने में कष्ट अनुभव करते हैं । हमारे किसान एवं कामगारों का जीवन बहुत ही कठिन एवं श्रम साध्य है । उन्हें भी आराम एवं मनोरंजन की आवश्यकता होती है, जो प्रायः गाँवों में उपलब्ध नहीं है । प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों पर जो कुछ सिखाया तथा पढ़ाया जाता है, उसका उनके जीवन में बहुत

खण्ड–ब

1. (क) (i) हमारे देश में प्रौढ़ समुदाय निरक्षर एवं अशिक्षित हैं।
(ii) प्रौढ़ शिक्षा के लिए शिक्षकों का अभाव है।
(iii) प्रौढ़ को कक्षा में बैठकर पढ़ने में संकोच होती है।
(iv) हमारे देश में किसानों का जीवन कठिन एवं श्रम साध्य हैं।
(v) प्रौढ़ शिक्षा का नवीनीकरण आवश्यक है।

(ख) (i) देशभक्ति गीतों के लिए महेन्द्र कपूर का नाम महत्वपूर्ण है।
(ii) महेन्द्र कपूर ने देशभक्ति और परम्परागत मूल्यों के गाने गाए हैं।
(iii) महेन्द्र कपूर की छवि सहज और शालीन इंसान की है।
(iv) मद्धिम और ऊँचे सुरों में खूबसूरती से महेन्द्र कपूर गाते थे।
(v) महेन्द्र कपूर अपने सूरों के बेहद अनुशासन के साथ साधते थे।

2. (क) (i) सच्चरित्र शब्द सत् और चरित्र इन दोनों शब्दों के मेल से बना है।
(ii) मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है।
(iii) काम, क्रोध, लोप, संताप, निर्दयता एवं ईर्ष्या जैसे अवगुण मनुष्य के सामाजिक जीवन में अशांति उत्पन्न करते हैं।
(iv) मनुष्य का जीवन यापन परस्पर सहयोग द्वारा सम्भव है।
(v) सच्चरित्रता का तात्पर्य है अच्छा चाल-चलन, स्वभाव, गुणधर्म इत्यादि।

3. (क) राष्ट्रीय खेल 'हॉकी'

(i) भूमिका—हॉकी एक लोकप्रिय खेल है। यह खेल विद्यार्थियों के द्वारा बहुत ही पसंद किया जाता है। यह हमारे देश का राष्ट्रीय खेल है। इस खेल के अस्तित्व को प्राचीन ओलम्पिक खेलों से पहले 1200 साल पुराना खेल माना जाता है।

(ii) खिलाड़ी एवं खेलने का समय—इस खेल के दल सामान्य संयोजन में पाँच खिलाई फारवर्ड, तीन हाफबैंक, दो फुलबैंक और एक गोलकीपर होते. हैं। एक खेल में 35 मिनट के दो भाग होते हैं, जिनमें 5 से 10 मिनट का अन्तराल होता है।

(iii) महत्त्व—हॉकी खेल का भारत में बहुत ही महत्व है। यह भारत का महत्वपूर्ण खेल है क्योंकि भारत हॉकी के क्षेत्र में कई वर्षों तक विश्व विजेता बना है इसलिए इसे भारत के राष्ट्रीय खेल के रूप में चुना गया है। इस खेल का इतिहास बड़ा और महान है। क्योंकि यह बुद्धिमान खिलाड़ियों द्वारा भारत की जड़ों में गहराई तक समाया हुआ है।

(iv) निष्कर्ष—हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल है, इसलिए भी विद्यार्थियों के द्वारा सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। हॉकी के लिए दूसरा स्वर्णकाल लाने के लिए इसे कॉलेज और स्कूलों में विद्यार्थियों को नियमित भागीदारी के द्वारा बढ़ावा दिया जाना चाहिए। योग्य बच्चों को स्कूली स्तर पर हॉकी के सही तरीके से खेलना सिखाना चाहिए।

भारतीय हॉकी की गरिमा बनाए रखने के लिए सरकार द्वारा हॉकी खेलने वाले विद्यार्थियों के लिए धन कोष वित्तीय सुविधाओं के साथ अन्य सुविधाओं को मुहैया कराना चाहिए।

(ग) महँगाई

भूमिका—वर्तमान समय में निम्न मध्य वर्ग महँगाई की समस्या से त्रस्त है। यह महँगाई रूकने का नाम ही नहीं लेती, यह तो सुरसा की तरह बढ़ती ही चली जा रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार का महँगाई पर कोई नियंत्रण रह ही नहीं गया है।

महँगाई की वर्तमान स्थिति—महँगाई बढ़ने के कई कारण हैं। उत्पादन में कमी तथा माँग में वृद्धि होना महँगाई का मुख्य कारण है। माँग और पूर्ति के असंतुलित होते ही महँगाई को अपने पाँव फैलाने का अवसर मिल जाता है। कभी-कभी सूखा, बाढ़, अतिवृष्टि जैसे प्राकृतिक प्रकोप भी उत्पादन को प्रभावित करते हैं। जमाखोरी भी महँगाई बढ़ाने का प्रमुख कारण है। जमाखोरी से शुरू होती है कालाबाजारी। दोषपूर्ण वितरण प्रणाली, अंधाधुंध मुनाफाखोरी की प्रवृत्ति तथा सरकारी अंकुश का अप्रभावी होना भी महँगाई के कारण हैं। ये कालाबाजारी लोग पहले वस्तुओं का नकली अभाव उत्पन्न करते हैं और फिर जब उन वस्तुओं की माँग बढ़ जाती है तो फिर महँगे दामों पर उसे बेचते हैं।

महँगाई का जन-जीवन पर प्रभाव—रोटी, कपड़ा और मकान प्रत्येक व्यक्ति की मौलिक आवश्यकताएँ हैं। वह इन्हें पाने के लिए रात-दिन प्रयास करता रहता है। एक सामान्य व्यक्ति केवल इतना चाहता है कि उसे जीवनोपयोगी वस्तुएँ आसानी से और उचित दर पर उपलब्ध होती रहे।

उपसंहार—कीमतों में वृद्धि एक अभिशाप है। देश को हर हालत में इससे मुक्त करना अनिवार्य है। इसके लिए उत्पादन में वृद्धि करना चाहिए। उत्पादन-कार्य हर हालत में चलता रहे, यही सब लोगों का प्रयास होना चाहिए। व्यापारियों को कालाबाजार का धंधा बंद करना चाहिए। इस कार्य में हर नागरिक का सहयोग अपेक्षित है।

4. प्रिय बहन अरून्धती

महावीर टोला
आरा

सदा खुश रहो,

दिनांक :

मैं यहाँ सकुशल रह रहा हूँ और मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुम भी सकुशल होगी। इस पत्र के माध्यम से मैं तुम्हें जन्म-दिन की बधाई देना चाहता हूँ।

तुम्हें जन्म-दिन की ढेरों शुभकामाएँ। तुम हजारे साल जिओ, हमारी भी उम्र तुमको लगे। तुम्हारे जन्म-दिन के अवसर पर मैं अपने दोस्तों को भी मिठाई खिलाऊँगा। विशेष बात अब अगले पत्र में होगी, माँ और पिताजी को मेरे तरफ से प्रणाम बोल देना।

तुम्हारा भाई
शान्तनु

5. (क)

(ख) बहादुर सीधा-सादा लड़का था। उससे सबको आराम मिलता था और सबके अहं की तुष्टि होती थी। लोग उसे नाहक मार और गाली भी देते थे तथा चोरी का इल्जाम लगाकर अपमानित भी किया। उसके चले जाने पर सबको अपनी भूल का एहसास हुआ, इसलिए पछतावा हुआ।

(ग) राजनीतिक मूल्य राज्यों और परिस्थितियों के अनुसार बदलते रहते हैं क्योंकि राजनीति में घात-प्रतिघात चलते रहते हैं। घात-प्रतिघात सामाजिक मूल्यों के भी होते हैं किन्तु इन दोनों मूल्यों की गूँज में अन्तर होता है। राजनीतिक मूल्य सम्पूर्ण समाज को एकरूप में प्रभावित नहीं करता जबकि साहित्यिक मूल्य व्यापक रूप में अपना प्रभाव डालता है।

इस सम्बन्ध में लेखक ने कवि टेनीसन, शेक्सपीयर, मिल्टन तथा शैली के काव्यों का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए लिखा है कि टेनीसन ने लैटिन कवि वर्जिल पर एक बड़ी अच्छी कविता लिखी थीं। इसमें उन्होंने लिखा है कि रोमन साम्राज्य का वैभव समाप्त हो गया, परन्तु वर्जिल के काव्य सागर की

ध्वनि तरंगें हमें अभी सुनाई देती हैं और हृदय को अद्‌भूत आनन्द प्रदान करती है।

(घ) बिरजू महाराज बताते है कि उनकी शादी 18 वर्ष की उम्र में हुईं। बिरजू महाराज उस समय शादी नहीं करना चाहते थे क्योंकि पिता की मृत्यु के उपरान्त घर की जिम्मेदारी उन्हीं के ऊपर थी; जिसे वे पहले सँभाल लेना चाहते थे। परन्तु, अम्मा जी के इच्छा से उनका विवाह हुआ।

(ङ) इस पद के माध्यम से गुरूनानक कहते है कि राम-नाम के जाप के बिना जगत में जन्म व्यर्थ है। कवि ने बाहरी वेश-भूषा, पूजा-पाठ और कर्मकाण्ड के स्थान पर सरल हृदय से राम-नाम की कीर्त्तन पर बल दिया है।

(च) कृष्ण की मदमाती आँखे बरबस सभी को आह्यादित कर देती है। राधिका एवं अन्य गोप बालाएँ कृष्ण के प्रेम रस के वशीभूत हो जाती हैं। वे उससे अलग रहना चाहती हैं। फिर भी, वे अलग नहीं रह पाती हैं। वस्तुतः चित्तचोर का अभिप्राय हृदय को चुरानेवाले से है। श्रीकृष्ण के सम्पर्क में आनेवाली गोप बालाएँ लोक मर्यादाओं को तोड़ देती है। गोप बालाएँ श्रीकृष्ण से सावधान रहते हुए भी असावधान हो जाती हैं। अपने मन की जिज्ञासा को प्रकट करने के लिए वे कुछ कहना चाहती है।

(छ) प्रज्वलित क्षण की दोपहरी से कवि का आशय है कि बम फूटने पर क्षणभर में लगा कि दोपहर हो गया, और सारा दृश्य लगा कि उस दोपहरी ने सोख लिया, फिर घना अन्धकार छा गया। कवि के कहने का आशय है कि वह प्रज्वलित क्षण दोपहरी की तरह गर्म, जिसने तत्काल सब कुछ नष्ट कर घोर अन्धकार फैला दिया। अतः कवि ने बम-विस्फोट के क्षण को दोपहरी कहा है क्योंकि एक निश्चित क्षण में ही शहर उजड़ गया तथा चमकता प्रकाश विलीन हो गया।

(ज) कवि अपने कपोलों की नर्म शय्या पर विश्राम कर रही ईश्वर की कृपादृष्टि को सुख प्रदान करता था। वह उसे चट्टानों की ठंडी गोद में सूर्यास्त के रंगों में घुलने का सुख देता था।

(झ) 'नाहरसिंहजी वाले दिन' खाना खाते हुए सीता को लगा कि 'लापसी' बिलकुल फीकी है। और निगलते समय लगता है कौर गले में अटक रहा है।

(ञ) वल्लि अम्माल आस्तिक स्वभाव की है। उसे झाड़-फूँक, देवी-देवता आदि पर असीम श्रद्धा है। यही कारण है कि जब वह अस्पताल से बेटी को लेकर बस अड्डा की ओर जाती है तो मन्नत मानती है कि जब पाप्पाति ठीक हो जाएगी तो वैदीश्वरन जी के मंदिर जाकर दोनों हाथों में रेजगारी भरकर भगवान को भेंट चढ़ाऊँगी।

6.(क) प्रस्तुत पंक्तियाँ कवयित्री अनामिका द्वारा लिखित कविता 'अक्षर ज्ञान' से ली गई हैं। इनमें कवयित्री ने अक्षर-ज्ञान के माध्मय से मानव जीवन के मूल रहस्य को उद्घाटित करने का प्रयास किया है।

कवयित्री का कहना है कि व्यक्ति को अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए वैसी ही कठिनाई का अनुभव होता है जिस प्रकार बच्चों को अक्षर ज्ञान की प्रारंभिक शिक्षण प्रक्रिया में आती है। तात्पर्य यह कि जीवन एक ऐसी समस्या है जिसका समुचित ज्ञान तभी होता है, जब व्यक्ति उसके अनुकूल लगातार परिश्रम करता है। यदि वह लीक से हटकर प्रयास करता है तो उसकी कल्पना गमले के समान टूट जाती है अथवा घड़े के समान लुढ़कती रह जाती है। परिणामतः उसे लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हो पाती। भाषा सहज, सरल तथा भावनात्मक है। 'घड़े-सा लुढ़कता हुआ उसका 'घ' में कल्पना अलंकार है। क्योंकि कल्पना या प्रयास को घड़े के समान बताया गया है।

(ख) प्रस्तुत गद्यांश विनोद कुमार शुक्ल द्वारा लिखित कहानी 'मछली' शीर्षक पाठ से लिया गया है। इसमें लेखक ने पूरे घर में फैली मछलियों जैसे गंध के विषय में प्रकाश डाला है।

लेखक का कहना है कि बाल्टी को उलटने पर पानी तो क्षण भर में निकल गया और स्नान घर की नाली बिल्कुल खाली हो गई। लेकिन, सारा घर मछलियों की गंध से भर गया। लेखक के कहने का तात्पर्य है कि जब व्यक्ति की संवेदना नष्ट हो जाती है तब वह पूरे वातावरण को दूषित बना देता है। उसके इस दोष का प्रभाव समाज पर इस प्रकार पड़ता है कि उसके मरने के बाद भी वह दोष लोगों को डँसता रहता है। अर्थात् जब बुराई फैल जाती है तो दीर्घ काल तक समाज को परेशान करती रहती है। लोगों का दम घूँट जाता है। जैसे बाल्टी में मछली रखा पानी को बहा दिया जाता है, किन्तु मछली की गंध कायम रहती है और पूरे-परिवार को बेचैन बनाए रखती है।